

12/11/18

पगावली पेशदुखी वसुलाफ्फरीकेन
 उगत वकील वादी मोक्ष धारणपेश
 नदी काना चहते हैं, सादर व दली
 जानी है मुमि पशकोरे दे ह्यमं के गाव
 से है वइस मुनी गइ। पगावली
 घा उम लकध सी कडि वइस पर
 मवन किना बार वारीगत साबित
 होने छे मुताबिक शालीनम रिती
 विदा फता है निवदि कालग से लिखा
 जाय शा मिल मिलल है। पत्त रिती
 अलग से जारी हो। पगावली फलल
 मुमल हरे उर नम्बल से करमी जाय
 दादी बल र प्पु र हो। ✓